

DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B.A. Part — I
Paper — II, (Hons)
Shambhu.bhibu @ gmail. com
8294392191

होरा पिर की जीवनी — II

फॉक्स और लार्डनार्थ के संयुक्त मंत्रिमंडल के समय उसने फॉक्स के इंडिया बिल का उसने उल्टे कर विरोध किया था। इस तरह उसने राजा के दृष्टि को जीत लिया। वह राजा का सबसे प्रिय तथा विश्वासपात्र बन गया था। राजा उसकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करता था।

पुधानमंत्री के पद पर:—
राजा उसे पुधानमंत्री बनाना चाहता था। केवल समय की इंतजार था। शीघ्र ही मंत्रिमंडल गैंग हो गया। राजा ने मौका पाकर राजा ने उसे मंत्रिमंडल निर्माण के लिए निर्मांत्रित किया। इस तरह उसे 24 साल की उम्र में वह इंग्लैंड का पुधानमंत्री बन गया और 17 वर्षों तक शासन सभ्य को संभालता रहा और जनता की सेवा करता रहा।

लेकिन 1801 ई० में क्रांति के पुश्त को लेकर राजा को उससे मनमुटाव हो गया। फलतः उसे पद से हटा देना पड़ा। पण्डित जब 1804 ई० में फ्रांस पर नेपोलियन बोनापार्ट का हमला होने की संभावना हुई तो उसे पुनः पुधानमंत्री बना दिया गया। वह शासन करता रहा और 46 वर्ष की उम्र 1806 में उसकी मृत्यु हो गयी।